



तरुण भट्टाचार्य  
अकादेमी पुरस्कार: हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (संतूर)

**TARUN BHATTACHARYA**  
Akademi Award: Hindustani Instrumental Music (Santoor)

Born on 23 December 1957 at Howrah in West Bengal, Shri Tarun Bhattacharya received his initial training in Santoor from his father Shri Rabi Bhattacharya and Pandit Dulal Roy. Later he honed his skill under the tutelage of Pandit Ravi Shankar of the Maihar gharana.

Shri Tarun Bhattacharya has performed in many prestigious music festivals in India and abroad. He has been involved with philanthropic and humanitarian activities. Shri Bhattacharya established the Santoor Ashram in 1994 at Kolkata. He has many recordings to his credit

including the *Flame of the Forest*, *Mental Bliss*, and *Nomad Christmas*.

Shri Tarun Bhattacharya has received many titles and awards including the Bhakti Kala Kshetra Award given by ISKCON (2000); and the Sangeet Mahasamman conferred by the Government of West Bengal (2017).

Shri Tarun Bhattacharya receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to Hindustani instrumental music.

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में 23 दिसंबर 1957 को जन्मे, श्री तरुण भट्टाचार्य ने अपने पिता श्री रवि भट्टाचार्य और पंडित दुलाल रॉय से संतूर का प्रारम्भिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाद में आपने मैहर घराने के पंडित रविशंकर के संरक्षण में अपने कौशल को निखारा।

श्री तरुण भट्टाचार्य ने भारत और विदेशों में आयोजित कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं। आप परोपकारी और मानवीय गतिविधियों में शामिल रहे हैं। श्री भट्टाचार्य ने सन् 1994 में कोलकाता में संतूर आश्रम की स्थापना की थी, जो अब भी विद्यमान है। आपकी फ्लेम ऑफ़ द

फ़ॉरिस्ट, मेंटल ब्लिस और नोमैड क्रिसमस सहित कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं।

श्री तरुण भट्टाचार्य को इस्कॉन द्वारा दिए गए भक्ति कला क्षेत्र पुरस्कार (2000) और पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रदत्त संगीत महासम्मान (2017) सहित कई पुरस्कार मिले हैं।

हिंदुस्तानी वाद्य संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री तरुण भट्टाचार्य को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

